प्राकृतिक गैस के शेष निकासी योग्य भंडार क्रमशः 765 मिलियन टन एवं 684 बिलियन घन मीटर थे। तथापि, वर्ष 1997-98 के दौरान कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस का उत्पादन एवं इनकी मांग निम्नवत थी:

कच्चे तेल का उत्पादन	:	33.858 मिलियन मीट्रिक टन
कच्चे तेल की मांग	:	64.63 मिलियन मीट्रिक टन
प्राकृतिक गैस की उपलब्धता	:	57 मिलियन मानक घन मीटर प्रति दिन
प्राकृतिक गैस की अनुमानित मांग	:	95.5 मिलियन मानक घन मीटर प्रति दिन

(ख) वर्तमान में देश में प्राकृतिक गैस आयात नहीं की जा रही है। वर्ष 1997-98 के दौरान कच्चे तेल का आयात विविध उत्पादक देशों अर्थात् सऊदी अरब, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, ईरान, मलेशिया और इराक की राष्ट्रीय तेल कंपनियों के साथ सावधि संविदाओं के माध्यम से किया गया था। शेष जरुरतें निविदाओं के माध्यम से पूरी की जाती है। जब कि सावधि आपूर्तिकर्ता अपने नौभार अपने ही देशों से जुटाते हैं, निविदाओं के माध्यम से आयातों के लिए पक्षकार विश्वव्यापी स्त्रोतों से आपूर्तियां करते है।

सुजानपुर टीरा क्षेत्र में स्थित इंडेन गैस एजेंसी द्वारा गैस कनैक्शन दिया जाना

988. **श्री सूर्यभान पाटील वहाडणे:** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के सुजानपुर टीरा क्षेत्र में थित इंडेन गैस एजेंसी द्वारा जिन गावों में गैस कनैक्शन दिये गये हैं, उनका गांव-वार ब्यौरा क्या है तथा इनमें से कौन-कौन से गांव मोटर गाड़ी चलने योग्य सड़क से 500 से 1000 गज की दूरी पर है;

(ख) क्या उक्त एजेंसी उन सभी गांवों में सिलेन्डरों की होम डिलीवरी करती है तथा क्या उनके आदमी रेगूलेटर या गैस सिलेन्डर के लीकेज का निरीक्षण करते है जिनसे कि गैस लीकेज से होने वाले हादसे को रोका जा सके; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं और होम डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिये सरकार क्या कदम उठा रही है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोष कुमार गंगवार): (क) हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिलान्तर्गत सुजानपुर टीरा में डिस्ट्रीब्यूटरशिप मैसर्स हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम को दी गई है जो कि हिमाचल प्रदेश सरकार के नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणधीन है और यह डिस्ट्रीब्यूटरशिप वर्ष 1996-97 में आरंभ की गई थी। यह डिस्ट्रीब्यूटरशिप हिमाचल प्रदेश राज्य के कांगड़ा, हमीरपुर और मंड़ी जनपदों में फैली हुई 73 पंचायतों की सेवा कर रही है। प्रत्येक पंचायत में 5 से 10 तक गांव हैं। यह डिस्ट्रीब्यूटरशिप हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में प्रचालन कर रही है जहां नए कनैक्शन एक सिरे से दूसरे सिरे तक मांग पर जारी किए जा रहे थे। यह डिस्ट्रीब्यूटरशिप दिनांक 01 मई, 1998 की स्थिति के अनुसार हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा, हमीरपुर और मंडी जनपदों की 73 पंचायतों में 8758 ग्राहकों की सेवा कर रही है। वर्ष 1996-97 के दौरान 982 तथा वर्ष 1997-98 के दौरान 6041 नए कनेक्शन जारी किए गए थे। दिनांक 15 मई, 1998 को डिस्ट्रीब्यूटरशिप के पास पंजीकृत 560 ग्राहकों की एक छोटी सी प्रतीक्षा सूची है।

(ख) और (ग) वितरक सुजानपुर टीरा के अधिसूचित समिति क्षेत्र के अंतर्गत ग्राहकों को घर पर सुपुर्दगी कर रहा है। डिस्ट्रीब्यूटरशिप द्वारा शेष क्षेत्र में आपूर्ति स्थानीय एवं जनपदों प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थानीय आपूर्ति बिंदुओं के माध्यम से की जाती है। ग्राहकों को सिलेन्डर सभी निर्धारित सुरक्षा जांच के पश्चात सड़क शीर्ष पर सुपुर्द किए जाते है।

अलमोड़ा जिले में रसोई गैस वितरण सुविधा का विस्तार किया जाना

989. **श्रीमती मालती शर्मा:** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि अलमोड़ा जिले में भिकियासैण-मासी-चौखुटिया मार्ग पर कोई रसोई गैस सुविधा उपलब्ध नहीं है, यदि हां, तो उसके क्या कारण है;

(ख) क्या रानीखेत गैस सर्विस केवल रानीखेत से भिकियासैण एवं चौखुटिया तक ही गैस वितरण करती है;

(ग) यदि हां, तो भिकियासैण-मासी-चौखुटिया मार्ग, जो वहां से 15 कि०मी० दूरी पर है, को गैस वितरण सुविधा से वंचित रखने के क्या कारण हैं; और

(घ) रानीखेत-भिकियासैण मार्ग पर गैस वितरण वैन को मासी चौखुटिया मार्ग से होकर रानीखेत पहुंचाने के लिये सरकार कब तक कदम उठाने का विचार रखती है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोष कुमार गंगवार): (क) से (घ) आई ओ सी मैसर्स रानीखेत गैस सर्विस के माध्यम से अल्मोड़ा जिले में भिकियासैण चौखुटिया मार्ग पर पहले ही एल पी जी का विपणन कर रही है। मैसर्स रानीखेत गैस सर्विस नीचे दर्शाये गए 13 विस्तार केन्द्रों के माध्यम से क्षेत्र में एल पी जी का विपणन कर रही है:

1. दाराहाट
2. चौखुटिया
3. सुरईसेत
4. बनहालीपोखर
5. मजखाली
6. ताड़ीखेत
7. चिनियाखोला
8. पिलखौली
9. जैनौली
10. मतरोजखान
11. बसौत
12. भिकियासैण
13. जलौली

तेल कंपनियां समय समय पर भिकियासैण-मसी-चौखुटिया मार्ग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में चरणबद्ध ढंग से और नए विस्तार केन्द्र खोलने पर, प्रचलित नीति के अधीन निर्धारित मानकों के पूरा होने के अध्यधीन विचार करती है। आई ओ सी मासी में भी एल पी जी की आपूर्ति के लिए सर्वेक्षण करने के उपाय कर रही है।

Staganation in Domestic Crude Oil Production

990. SHRI E. BALANANDAN: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether Government are considering to probe into the mystery of stagnation in domestic crude oil production leading to increased dependence on import which has become a permanent feature inspite of the country having 26 sedimentary basins of which only 6 have been explored so far; and

(b) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI SANTOSH KUMAR GANGWAR): (a) and (b) Government is seized of the problem of near stagnant level of crude oil production in the country. A Committee of experts under Shri K. Narayanan was set up by the Government in 1996. The Committee has submitted its first report covering Bombay High. A monitorable action plan has also been submitted to Government for implementation of the recommendations of the above committee. Crude oil production from existing sources is regularly monitored by Government. As regards the status of exploration in different basins, out of 26 sedimentary basins, 11 basins are moderate to well explored out of which commercial production has been established in 7 basins. 10 of the basins are poorly explored. Government has also announced a new Exploration Licensing Policy (NELP) to accelerate exploration and production of crude oil in the country. As a result of the various measures taken to intensify exploration and production of hydrocarbons, the crude oil production during the IXth plan is tentatively estimated to be around 180 MMT as against the production of 154.3 MMT during the VIIIth plan.

Fall in International Oil Prices

991. SHRI J. CHITHARANJAN:
SHRI JALALUDIN ANSARI:

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the international prices of oil has come down considerably recently;

(b) if so, what were the average prices during the year 1995, 1996 and 1997 and month-wise for the year 1998; and

(c) what financial benefit is expected to accrue from reduction in import bill of the crude oil and other petroleum products?